हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार,10 मार्च 2025

11 बेरी गेट में पांच दिनों से पेयजल सप्लाई बाधित

12 कालेज में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सीआईए वन बहादुरगढ़ की पुलिस टीम ने मकान से चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। सन्नी निवासी लाइनपार के मकान में 26 दिसंबर 2021 को चोरी हुई थी। इसमें आरोपी मोबाइल फोन, नगदी और सोने की चेन चुरा ले गए थे। सीआईए प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि इस मामले में फरार चल रहे आरोपी जोनी निवासी लाइनपार को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

लक्ष्मी नारायण मंदिर में मनाई होली

बहादुरगढ़। बादली रोड स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। रविवार को मंदिर में आयोजित होली मिलन समारोह में हरीश घुलयानी, नरेश सागर प्रजापति, ममता सांवरिया व राजू मिलन ने मधुर भजनों के माध्यम से होली की महिमा का गुणगान किया। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर पावन पर्व की बधाई दी। पुजारी पंडित सोहनलाल ने कहा कि होलिका दहन पर मनुष्य को अपने अंदर की सभी बुराइयों को छोड़ने का संकल्प लेने के साथ सदैव धर्म व सत्य के मार्ग पर चलने का निश्चय करना चाहिए।

विश्व हिंदू परिषद और विभिन्न संगठनों के लोग पहुंचे लघुसचिवालय, जताया विरोध

गोरक्षक दल के आठ लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर किया मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

जिला पुलिस द्वारा गोरक्षक दल के आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि इन गोरक्षक दल के लोगों ने गौतस्करी के आरोप में दो युवकों के साथ मारपीट की है। मामले की सूचना मिलने पर विश्व हिंदू परिषद सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग बेरी पुलिस चौकी और बाद में लघुसचिवालय परिसर पहुंचे और अपना विरोध जताया। पुलिस ने बाद में इन लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस को दी शिकायत

रेवाड़ी जिले के गोकलगढ़ निवासी रोहित यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शनिवार की रात उसके पास पलवल निवासी सोनू ने फोन पर सूचना दी कि एक कंटेनर में भिवानी क्षेत्र से गाय भरकर मेवात के लिए जाएंगे। सूचना पाकर उसने अपने अन्य साथी धौड़ निवासी प्रदीप, भट्टी गेट निवासी रोहित, बिलासपुर निवासी मुकेश, राहुल मथुरा, पलवल निवासी कन्हैया, आदित्य उर्फ आदि व भिवानी जिला निवासी सोनू को भी अवगत कराया। जिसके बाद कन्हैया, सोनू व आदित्य के साथ अपनी गाड़ी में बामला टोल पर खड़े हो गए।

इसके बाद एक कंटेनर भिवानी की तरफ से आता दिखाई दिया जब उन्होंने कंटेनर रुकवाने की कोशिश की तो चालक कंटेनर को भगा ले गया। इससे उन्हें कंटेनर में गाय होने का पूरा शक हो गया तो सोनू ने रोहित को फोन पर बताया कि वे कंटेनर के पीछे आ रहे हैं और कंटेनर कलानौर से बेरी की तरफ मुड़ चुका है। जिसके बाद प्रदीप, रोहित, मुकेश, राहुल, सोनू, आदि मुकेश के साथ गाड़ी में बैठकर बेरी से कलानौर जाने वाले मार्ग पर पहुंच गए और वहां कंटेनर आने का इंतजार करने लगे। जब कुछ देर बाद कंटेनर आया और उन्होंने उसे रुकने का इशारा दिया तो कंटेनर नहीं रुका। जिसके बाद वे गाड़ी से कंटेनर का पीछा करने लगे।

शिकायत के अनुसार बाद में कंटेनर बेरी चौक पर रुका तथा उसमें से दो युवक उतर कर भागने लगे तो उन्होंने दोनों को पकड़ लिया। जब वे युवक उनके साथ मारपीट करने लगे तो उन्होंने भी युवकों के साथ मारपीट की और उन्हें चौकी ले गए। जब कंटेनर को चेक किया गया तो उसमें गाय भरी हुई थी। पुलिस को दी शिकायत में कंटेनर में गाय भरकर ले जाने वाले दोनों आरोपियों के नाम व पते भी दिए गए हैं।

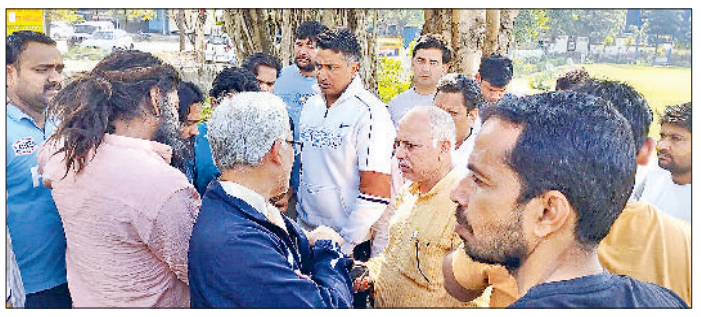

झज्जर। लघुसचिवालय परिसर में एकत्रित हुए विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग। फोटो : हरिभूमि

सात-आठ लोगों ने दोनों युवकों पर हमला बोला

इसी मामले में ईएएसआई अमृत द्वारा दी गई शिकायत में बताया गया है कि जब वह होमगार्ड हरीश के साथ राइडर पर रात्रि गश्त के दौरान शिव चौक पर मौजूद था उसी दौरान एक छह टायर की गाड़ी पुलिस चौकी के गेट के सामने आकर रुकी। गाड़ी में से दो युवक उतरकर चौकी की तरफ भागने लगे तो पीछे से आए सात-आठ युवाओं ने दोनों युवकों पर हमला बोल दिया। इस घटना में दोनों युवकों को चोटें आई। अमृत के अनुसार इसके बाद उन्होंने लड़कों को रोककर उनसे नाम पता पूछा तो उन्होंने अपने नाम बता दिए। जिन युवाओं के साथ मारपीट हुई है उन्होंने अपना नाम तारीफ पुत्र साबूदीन व कयूम पुत्र सुजाद निवासी हुसैनपुर जिला मेवात बताया। इस संबंध में पुलिसकर्मी अमृत द्वारा दोनों युवकों के साथ मारपीट करने वाले युवकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है जिनके नाम पुलिस शिकायत में दिए गए हैं।

दोनों पक्षों की ओर से केस दर्ज करवाया

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि रात को थाना बेरी क्षेत्र में एक घटना हुई है। जिसमें दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज किया गया है। जो भी भारतीय न्याय संहिता के हिसाब से कार्यवाई बनती है वह की जाएगी। किसी के साथ भी किसी प्रकार से कुछ गलत नहीं होने दिया जाएगा। पुलिस प्रशासन सभी गतिविधियों पर अपनी नजर बनाए हुए हैं। सभी से आग्रह है कि शांति बनाए रखें किसी भी तरह की सोशल मीडिया से संबंधित अफवाह से बचें। जिला पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर भी अपनी नजरें बनाई हुई है।

बहादुरगढ़। ब्लैक फिल्म लगी कार का चालान कटवाते एसीपी व एसएचओ।

अतिक्रमण से संकरे हुए रास्ते पुलिस की सख्ती के बाद खुले

- यातायात को व्यवस्थित करने और सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस की कवायद

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

सड़कों पर बढ़ती अव्यवस्था और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात पुलिस ने बहादुरगढ़ में विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिस और प्रशासन द्वारा के सहयोग से एक तरफ जहां अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ वाहन चालकों द्वारा नियम की पालना न करने पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। शहर के बाजार अब खुले नजर आ रहे हैं, जिसका नागरिक खुले दिल से स्वागत कर रहे हैं।

बॉक्सर के नाम से विख्यात दिनेश कुमार के बतौर ट्रेफिक एसीपी कमान संभालने के बाद बहादुरगढ़ में यातायात व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। शहर के रेलवे रोड, मेन बाजार, रोहतक-दिल्ली रोड, झज्जर रोड समेत मुख्य मार्गों पर उन्होंने नगर परिषद की टीम को साथ लेकर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। फलस्वरूप अतिक्रमण के कारण संकरे हो चुके रास्ते खुले नजर आए। नागरिकों और राहगीरों ने यातायात पुलिस के विशेष अभियान का स्वागत करते हुए सतत कार्रवाई को जमकर सराहा। एसीपी दिनेश कुमार का कहना है कि उनका मुख्य लक्ष्य यातायात को व्यवस्थित करना और सड़कों को सुरक्षित बनाना है। बता दें कि यातायात पुलिस द्वारा कार में सीट बेल्ट नहीं लगाने, शराब के नशे में वाहन चलाने, बहुत तेज गति से वाहन चलाने तथा ब्लैक फिल्म लगाने वालों के खिलाफ भी प्रतिदिन सख्त कार्रवाई की जा रही है। रेलवे रोड के मुहाने, सूरजमल गली के कट, पुराने बस अड्डे व सेक्टर-9 मोड़ सहित कई जगहों पर यातायात पुलिस द्वारा नाके लगाकर नियम की पालना न करने वालों के खिलाफ चालान काट कर उन्हें हिदायत दी जा रही है।

बहादुरगढ़। पुलिस की सख्ती के बाद ऐसे खुला नजर आ रहा रेलवे रोड।

सख्त चेतावनी

यातायात पुलिस द्वारा नगर परिषद के सहयोग से अतिक्रमणकारियों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की जा रही है। सड़क पर अवैध रूप से सामान रखने, फुटपाथ पर दुकानें सजाने व रेहड़ी लगाने वाले दुकानदारों पर सख्ती की जा रही है। पुलिस-प्रशासन ने अतिक्रमण करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की सख्त चेतावनी दी है। अधिकारियों ने साफ कहा कि यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए अभियान जारी रहेगा।

PACE
GROUP OF INSTITUTIONS

झज्जर का पहला इंटरनेशनल एजुकेशनल ब्रांड

Nursery - Class 12

Dropper Batch • Science • Commerce • Humanities

SPECIAL COACHING
IIT, NEET, UPSC, CUET ,
CA, CLAT, NDA, IMO,
VPY, NTSE, RMO, VVM

JEE MAINS RESULT-2025

Heartiest Congratulations हम नहीं हमारा रिजल्ट बोलता है।

CRASH COURSE STARTS
IIT-JEE Start from 28-FEB 2025 to 17 May 2025
NEET Start from 28-FEB 2025 to 03 May 2025
NDA Start from 28-FEB 2025 to 11-April 2025

ADMISSIONS OPEN FOR 2025-26
CALL: 7419888021

QUALIFIED JUNIOR SCIENTIST EXAM-2024-2025

हरियाणा से जूनियर साइंटिस्ट बनने वाला हर तीसरा बच्चा पेस झज्जर से

COACHING CAMPUS NEAR SAVERA SCHOOL, ARYA NAGAR, JHAJJAR
SCHOOL CAMPUS MILE STONE, 2KM, ROAD, NEAR RAILWAY CROSSING, DHAUR, JHAJJAR
WWW.PACEGROUPOFINSTUTIONS.COM +91 7419888021,22,23,24,25,26,27,28

SCAN TO KNOW MORE

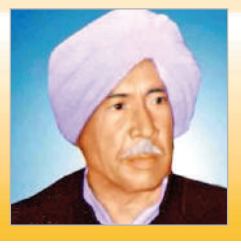

लोककवि

दयाचंद मायना हरियाणवी बोली के कवि थे। वे हरियाणा के अब तक के सबसे महत्वपूर्ण कवियों और लोकगीत कलाकारों में से एक हैं। उनका जन्म 10 मार्च 1915 को हरियाणा (तत्कालीन पंजाब) के रोहतक जिले के मायना गांव में एक वाल्मीकि परिवार में हुआ था। उन्होंने हरियाणवी सांग और रागनी का बेहतरीन निर्माण किया। उन्होंने 21 किस्सा (हरियाणवी में नाटक) और 150 से अधिक रागनियां (हरियाणवी में कविता) लिखीं। 20 जनवरी 1993 को उनका निधन हो गया।

जन कल्याण के रचनाकार कहलाए शिवचरण

जयंती विशेष

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

लोककवि शिवचरण अपने समय के एक सशक्त हस्ताक्षर थे, जिन्होंने अपनी काव्य प्रतिभा से जनमानस में नई जागृति लाने का स्तुत्य प्रयास किया। उनका लोक साहित्य और महान व्यक्तित्व युवाओं को श्रेष्ठ साहित्य रचना और सार्थक जीवन जीने की प्रेरणा देता रहेगा

प्रसिद्ध लोककवि एवं भजनोपदेशक शिवचरण का जन्म 9 मार्च 1929 को फाल्गुन मास की त्रयोदशी को महाशिवरात्रि के दिन दिल्ली देहात के ऐतिहासिक गांव नांगल ठाकरान में हुआ। शिवरात्रि के दिन जन्म होने के कारण ही इनका नाम शिवचरण रख दिया गया। इनके पिता का नाम मलूक राम तथा माता का नाम प्रेमकौर था। चार वर्ष की आयु में ही पिता का साया इनके सिर से उठ गया और इनका पालन-पोषण इनके पितृव्य निहालचंद 'निहाल' द्वारा किया गया। गौरतलब है कि निहालचंद 'निहाल' अपने समय के प्रसिद्ध लोककवि एवं लोकनाट्यकार (सांगी) थे। उनका संरक्षण प्राप्त होने के कारण बचपन से ही इनके मन में संगीत के प्रति गहरा लगाव पैदा हो गया। इन्होंने आठवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की।

पंद्रह-सोलह वर्ष की आयु में इनकी दिल्ली क्लाथ मिल में नौकरी लग गई। जहां संयोग से इन्हें संगीत का शौक एवं जानकारी रखने वाले कई सहयोगी मिल गए। अब इनके पास जब भी खाली समय होता था, ये सभी वहीं अपना गायन, वादन का अभ्यास कर लेते थे। कुछ समय बाद इन्होंने अपनी पूरी भजन-मंडली बना ली। इनके कार्यक्रमों में अधिकतर देशभक्तिपूर्ण, आध्यात्मिक व शिक्षाप्रद भजन व रागनी होते थे। इनके कार्यक्रमों का लोगों पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता था। इसके साथ-साथ ये समाजसेवा के कार्यों में भी अत्यधिक रुचि रखते थे। कुश्ती के शौकीन, मीठी-वाणी और परोपकार की प्रवृत्ति रखने वाले शिवचरण विशाल हृदयी थे तथा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' में विश्वास रखते थे। एक बार गांव नांगल ठाकरान में उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए कुएँ में गिरे एक बच्चे को बचाया तो दूसरी बार किसी कारण से दो गुटों में बंटे मांढोठी गांव के ग्रामीणों को एक स्थान पर बुलाया और उनके गिले-शिकवे दूर करवाए। जिससे सारा गांव दोबारा एकजुट हो पाया। इस पर गांव के प्रधान ने इनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि महाशय जी, आज आपने हमारे गांव को टूटने से बचा लिया। इस सुकृत के लिए हमारा गांव सदा आपका ऋणी रहेगा। इस प्रकार के अनेक प्रसंग इनके नाम के साथ जुड़े हुए हैं। लोककवि शिवचरण एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी थे। अपने पितृव्य एवं गुरु निहालचंद 'निहाल' की तरह इनके कंठ में भी मां सरस्वती का वास था। इनका गाना सुनकर श्रोता आत्मविभोर हो उठते थे। वस्तुतः इनके तीन गुरु थे। पहले, निहालचंद 'निहाल' जिनसे इन्होंने काव्य रचना और गायन विधा का ज्ञान प्राप्त किया। दूसरे, बिजवासन निवासी भूपसिंह जिनसे इन्होंने हारमोनियम बजाना सीखा और तीसरे स्वामी परमहंस, जो इनके आध्यात्मिक गुरु थे। इनकी अपने तीनों गुरुओं के प्रति अगाध श्रद्धा थी। अग्रदत्त पंक्तियों में इनके तीनों गुरुओं का वर्णन किया गया है-

'निहाल' भूपसिंह परमहंस जी तीनों को गुरु मान लिया।
गाणा और बजाणा लिखणा ब्रह्मविद्या का ज्ञान लिया।
खूब कर्या प्रचार ज्ञान का दूध और पाणी छान लिया।
सही बात है सही आदमी फेर लोगां नै भी जान लिया।
देश धर्म केगाणे मैं ला अपनी उम्र तमाम गए।।
छोड़ दिया परिवार नार संसार पहुँच धुर धाम गए।।

लोकगायकों और सांगियों में अपने गायन के श्रीगणेश में मंगलाचरण व गुरु-स्मरण की परंपरा देखने को मिलती है। वे भी अपने कार्यक्रम का आगाज इसी प्रकार करते थे। उदाहरण के लिए मां भवानी की भेंट के कुछ अंश प्रस्तुत हैं-

अजब तेरी शान का री, कोन्या भेद किसी नै पाया।।
कहै शिवचरण सभा मैं आओ, माई गाणे मैं रंग बरसाओ, मुझ मूर्ख को सही बताओ,
रास्ता ज्ञान का री, ध्यान मनै थारे चरणां मैं लाया॥

लोककवि शिवचरण के व्यवहार, चरित्र एवं जन्मस्थली आदि के सन्दर्भ में उनके परिजनों एवं पुरजनों से प्राप्त जानकारी के साथउनके काव्य से भी इसकी यथेष्ट जानकारी मिलती है। जैसे-

शिवचरण नै थारा विश्वास सै,
मन मैं पूरी - पूरी आस सै,
मेरा खास सै नांगल गाम, सच्चा धाम,
मुख से नाम,राम जी का टेरा जी।।

उनके काव्य में लोकाचार के दर्शन होते हैं। लोकजीवन में कन्यादान को सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है, जो व्यक्ति अपनी जवान बेटी का विवाह समय पर नहीं कर पाता तो उसकी निंदा होती है। अतः लोकनिंदा से बचने के लिए

कविवर शिवचरण जीवनभर लोकरंजन एवं लोकमंजन के लिए काव्य-साधना और लोकसंस्कृति के प्रचार-प्रसार में जुटे रहे

द्रौपदी की माँ राजा द्रुपद से अपनी बेटी के हाथ पीले करने का अनुरोध करती है। वह राजा को उसके कर्त्तव्य का बोध इस प्रकार करवाती है-

स्याणी बेटी-भाण कंवारी, ना ठीक बाप के घर पै।
गृहस्थ-धर्म की रीत पुराणी, फर्ज बाप के सिर पै।।

हमारी संस्कृति की बिसात तप, त्याग, दया, धर्म, पुण्य, दान आदि अनेक उदात्त तत्त्वों से बुनी गई है। गृहस्थ आश्रम को सब से श्रेष्ठ माना गया है, क्योंकि अन्य सभी आश्रम इसी पर आधारित हैं। कवि ने समाजोपयोगी लोकाचार को अपनाने का उपदेश इस प्रकार दिया है-

दया धर्म और शील-सुभा लक्ष्मी का वास कहैं सैं।
इस गृहस्थ धर्म नै वेद-शास्त्र, भक्ति खास कहैं सैं।।
अपणा-अपणा फर्ज समझ कै, पूरा प्रण निभावैं।
माँ-बाप करैं सो बेटा-बेटी, न्यूँ दुनिया कहती आवै।
मात-पिता का फर्ज बालकाँ तै, आच्छी बात सिखावै।
लिखा-पढ़ा कै करैं श्यामर्थ, जिन्दगी सफल करावै।

लोकजीवन में श्रद्धा-भक्ति की मन्दाकिनी अबाध गति से प्रवहमान है। अशिक्षित एवं अर्धशिक्षित लोगों की धर्म एवं भक्ति में अगाध आस्था है। इन्होंने लोकमानस की इस आस्था को बनाए रखने एवं इसे और पुष्ट करने के लिए लोगों को इस प्रकार सचेत किया है-

नहीं मरे का शोक किसे नै, बिरथाए जिंदगी खो चाल्या।
लोक परलोक बिगाड़े दोनों ना मनुष जन्म हर बार मिलै।।
निहालचंद सतगुरु के संग मेरा जन्म-जन्म का नाता है।
पूरी शक्ति मिलै गुरुमुख नै जो शरण गुरु की जाता है।
भक्ति-दान गुरु से मिलता वो ब्रह्मविद्या का दाता है।
जिस पै मौज गुरु की होज्या वो परमगति को पाता है।
शिवचरण पै मेहर फेर दयो जो सार शब्द का तार मिलै।।

लोककवि शिवचरण की रचनाओं में जीवन के सभी आयाम सहज रूप से उद्घाटित हुए हैं। सामाजिक सरोकारों एवं नैतिक मूल्यों के साथ-साथ देशप्रेम की भावना भी उनके काव्य में हिलोरें मार रही है। सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध के उपरान्त दिल्ली में कड़ेखां नामक स्थान पर तत्कालीन लोककवियों के मध्य देशप्रेम के गीतों से सम्बद्ध एक प्रतियोगिता हुई, जिसमें इनके अग्रदत्त राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत गीत को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ-

भारत माँ के पूत ऊठ इब, देर तनै क्यूँ लाई।
पाकिस्तान मानता ना करी हिन्द नै बहोत समाई।।

पुराने समय में नैतिक मूल्यों की बड़ी कद्र थी। बड़े-बूढ़ों का आदर सम्मान था लेकिन समय ने करवट बदली और समाज का सारा ताना-बाना बिखरने लगा। ऐसी भयंकर स्थिति को देखकर कविवर शिवचरण का मन अकुला उठा। समाज को दशा एवं दिशा दिखाती उनकी अग्रदत्त रचना की एक-एक पंक्ति गौर करने लायक है-

कई लड़की हों जिस माणस कै, उसकी श्यामत आवै सै।
लड़का देखण की सोचै जब, पहल्याएँ घबरावै सै।
बेशक लड़का अनपढ़ हो पर, उलट-पुलट बतळावै सै।
नगद दान लाखों मैं पोंहचै, अर कार - स्कूटर चाहवै सै।
फेरे लेकै दें छोड़ फेर भी, न्यूँ जीणा दुश्वार होया।।
सतपुरुषों की कद्र रही ना, झूठ्याँ का विस्तार होया।।

जीवन के अंतिम वर्षों में इनका अधिकतर समय हरि भजन में व्यतीत होने लगा। स्वर्गवास से कुछ दिन पहले अचानक इनका स्वास्थ्य ज्यादा खराब हो गया। दवाइयों ने भी कोई असर नहीं दिखाया। 10 जनवरी 1997 को सवेरे के समय इनके सुपुत्र रामबीर सिंह 'राम', पास बैठे थे, उनको परोपकार, समाजसेवा और अन्य शुभ कार्यों के लिए प्रेरित किया और अपनी एक प्रसिद्ध रचना की निम्नलिखित पंक्तियां सुनाते हुए परमधाम के लिए प्रस्थान कर गए-

दान-पुण्य करणे तै मनुष की कला सवाई होज्या।
बणा कुएं बाग स्कूल धर्मशाला सफल कमाई होज्या।
धर्म - कर्म नहीं छुपै कुटुंब की मान-बड़ाई होज्या।
शिवचरण वरदान मिलै खुश दुर्गे माई होज्या।
सतगुरुजी की मेहर फिरै जब शिष्य नै पास कहैं सैं।।

कविवर शिवचरण जीवनभर लोकरंजन एवं लोकमंजन के लिए काव्य-साधना और लोकसंस्कृति के प्रचार, प्रसार में जुटे रहे। उन्होंने लोक-कल्याण में अपना सारा जीवन लगा दिया। इनके निधन के उपरान्त इनके अनेक शिष्य इनकी परम्परा को आगे बढ़ा रहे हैं, जिनमें सुरेश रोहिल्ला, महेन्द्र सिंह व रामबीर सिंह 'राम'प्रमुख हैं। इनके सुपुत्र रामबीर सिंह 'राम' उनके ही संस्कारों से आज हरियाणवी साहित्यकारों में उच्च सम्मान पाते हैं। 'राम' विशेष रूप से काव्य-रचना में सक्रिय हैं। उन्होंने कविराज शिवचरण के जीवनवृत्त को एक भजन के रूप में प्रतिपादित किया है। उसके कुछ अंश पेश हैं-

पिता छोड़ कै चल्या गया मनैं ढूंढ्या बहोत मिल्या कोन्या।
साच बताऊँ तात बिना कदे मन का चमन खिल्या कोन्या।
सिर पै धर दिया हाथ साथ ले रामबीर का प्रणाम गए।।
छोड़ दिया परिवार नार संसार पहुँच धुर धाम गए।।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि लोककवि शिवचरण अपने समय के एक सशक्त हस्ताक्षर थे। जिन्होंने अपनी काव्य प्रतिभा से जनमानस में एक नई जागृति लाने का स्तुत्य प्रयास किया। उनका लोक साहित्य और महान व्यक्तित्व युवाओं को श्रेष्ठ साहित्य रचना और सार्थक जीवन जीने की प्रेरणा देता रहेगा, ऐसा हमारा विश्वास है।

कुण्डलिया **सत्यवीर नाहड़िया**

फाग्गण खूग्या वो दिखे...

न्यारी होवै थी कदे, फाग्गण की सौगात।
इब फाग्गण की ना रह्यी, पहलम आळी बात।
पहलम आळी बात, रात नै गाया करते।
बजा नगाड़े-ढप्प, चुगरदे छाया करते।
बड़ी-बूढ़ळी साँग, काढ़ती मिलकै सारी।
रात चाँदणी बीच, छटा होवै थी न्यारी।।

त्यारी डांडे तै सदा, होया करती खास।
भाईचारा आपसी, आया करता रास।
आया करता रास, आस नित नयी जगाते।
ढाल-बिड़कले गैल, कूकड़ी भोत बणाते।
ऊँच्ची होळी रोज, बणाते मिलकै भारी।
गाकै होळी भोत, हुवै थी न्यारी त्यारी।।

फाग्गण खूग्या वो दिखे, नहीं बच्यी वै बात।
भाईचारा ना रह्या, बदल्ये न्यूँ हालात।
बदल्ये न्यूँ हालात, टांड पै धरे नगाड़े।
गोबर-गारा गैल, धुत्त हो करते खाड़े।
चाल्ली पछवा पौन, रीत न्यूँ लाग्ये त्यागण।
गूँज्या करता भोत, रात चाँदण म्हैं फाग्गण।।

कविता **इंद्र सिंह लांबा**

हर की भूमि

धन्य धन्य धरा हरियाणा हर की भूमि कहलाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

श्री कृष्ण नैं कर्म करण की जो बात कही सै गीता मैं।
यहां कर्मठता से दिखा दिया विश्वास उन्हीं की रीता मैं।
यहां तीज त्यौहार हंस खिल के आते, रहणा प्यार प्रीता मैं।
सांझ ढले चौपाल बैठकर जिक्र चालैं मीता मैं।

खेल खिलाड़ी म्हारे अगाड़ी, धरती मां इतराती है।
ज्ञानी, ध्यानी, वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

सूरदास और ऋषि दयानंद यहां हुए तपधारी थे।
नाहर सिंह और तुला राव सदा अंग्रेजों पर भारी थे।
नेकीराम और श्रीराम शर्मा आजादी के पुजारी थे।
चंदगी राम और लीलाराम बड़े पहलवान बलकारी थे।

शिवालिक और अरावली पर्वत चोटी दिखलाती है।
ज्ञानी ,ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां ,लिखवाती है।
ढ़फ, ढ़ोल , नगाड़े बाजैं जोगी सारंगी पर गाते हैं।
वीरों का इतिहास सुना हर दिल में जोश जागते हैं।।

पावन पवित्र स्थल देखने लोग दूर से आते हैं।
पेहवा, फल्गु, कुरुक्षेत्र भक्तों के बंध रहे तांते हैं।
सतलुज, यमुना, सरस्वती धरती की प्यास बुझाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

सांगी,भजनी,प्रचारक तत्काल मेरे हरियाणा मैं।
कवि मोहर सिंह ,बख्तावर, नंदलाल मेरे हरियाणा मैं।
लखमी , मांगे, बाजे ,धनपत, निहाल मेरे हरियाणा मैं।
फिल्म निर्देशक प्रभाकर, यशपाल मेरे हरियाणा मैं।।

नई बुलंदी छूणे के संस्कार हमें सिखलाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।
कहे इंद्र लाम्बा नर और नारी मिल के खेत कमाते हैं।
तारों की छाया में जाते तारों की छांव आते हैं।।

बढ़िया खेती बाड़ी सोना बालों में उपजाते हैं।
सादा रहणा सहणा और दूध, दही , घी खाते हैं।
तेरा वंदन तेरा पूजन दुनिया शीश झुकती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक **करीब 150 वर्ष के दौरान विभिन्न परिवर्तनों के दौर से गुजरा है हरियाणा**

कई विलय, विघटन के बाद बना वर्तमान हरियाणा

इतिहास **यशपाल गुलिया**

कुछ जागरूक एवं जिज्ञास पाठकों ने मेरे पिछले लेख बारे प्रश्न उठाया कि हरियाणा तो पंजाब से बना है। ऐसे पाठकों के ज्ञानवर्धन के लिए मैं 150 वर्ष के विभिन्न परिवर्तनों के बारे में अवगत करवा देता हूं। वर्ष 1802 में नवस्थापित हरियाणा राज्य का आयरिश शासक तो स्वर्ग सिधार गया, लेकिन अगले ही वर्ष 1803 में दिल्ली पर अंग्रेज सत्ता स्थापित हो गई।

उन्होंने दिल्ली के तीन तरफ स्थित क्षेत्र को विभिन्न रियासतों व नवाबियों में वितरित कर दिया। जॉर्ज थॉमस द्वारा गठित हरियाणा प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्र को झज्जर रियासत व दुजाना रियासतों को प्रदान कर दिया। जैसे झज्जर रियासत में नारनौल, महेन्द्रगढ़, कांटी तथा बावल तक का क्षेत्र दे दिया गया। वहीं, दुजाना नवाब को नाहड़, भिवानी, हांसी, हिसार तक क्षेत्र दिया गया, जिसका उसने 1809 में स्वेच्छा से परित्याग कर दिया। अंग्रेजों ने दिल्ली पर अधिकार करने के बाद अन्य नई रियासत मेवता, पटौदी व लौहारु आदि भी बना डाली। जबकि अंग्रेज शासक से पहले कायम रजवाड़े, नवाबी आदि यथावत बने रहने दिए। क्योंकि उन्होंने न केवल अंग्रेज प्रभुसत्ता को सहर्ष स्वीकार किया बल्कि अंग्रेजों की हर प्रकार से सहायता भी की, जैसे फरुखनगर, बल्लभगढ़, बहादुरगढ़, झाड़सा, कुन्जपुरा, जीन्द, कैथल, नारायणगढ़, रानियां आदि रजवाड़े पहले से स्थापित हो चुके थे। इस तरह जॉर्ज थॉमस द्वारा स्थापित हरियाणा राज्य का नाम तब लुप्त

अंग्रेजों ने 1804 में झज्जर रियासत बनाई थी। रियासत का यह महल अब गिरा दिया गया है।

प्राय हो गया। अंग्रेजों ने प्रशासनिक व्यवस्था के तहत 1810 के बाद वर्तमान हरियाणा क्षेत्र में नये जिले बनाने की प्रथा भी आरम्भ कर दी थी और तब पंजाब सतलुज नदी के पार वाले क्षेत्र को कहा जाता था जिसकी राजधानी लाहौर थी। उस समय पंजाब का शक्तिशाली शासक महाराजा रणजीत सिंह था, जिससे अंग्रेजों ने चालाकी पूर्ण सन्धि कर ली थी। अर्थात महाराजा के जीवित काल वर्ष 1839 तक तो अंग्रेज लाहौर तक नहीं गए लेकिन उसके बाद वर्ष 1849 तक सिखों से कई युद्ध करके समस्त पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान) पर अधिकार कर बैठे। उसके कुछ वर्षों बाद स्वाभिमानी भारतीय सैनिकों ने 1857 का विद्रोह कर दिया और चार माह तक दिल्ली अंग्रेजों से मुक्त हो गई थी। परन्तु सत्तालोलूप कुछ पंजाब शासकों ने अंग्रेजों को सैन्य सहायता देकर दिल्ली पर उनका शासन फिर से कायम करवा दिया।

वर्ष 1858 से अंग्रेजों ने भी प्रशासनिक परिवर्तन करके न केवल वर्तमान हरियाणा क्षेत्र बल्कि दिल्ली को भी एक जिला बनाकर पंजाब सूबे के तहत कर दिया तब पंजाब सूबे की राजधानी लाहौर में थी तथा दिल्ली, वर्तमान हरियाणा व हिमाचल क्षेत्र सहित 32 जिलों का राज्य बना दिया था। उसके बाद वर्ष 1912 से दिल्ली को पंजाब से अलग कर दिया गया क्योंकि अंग्रेजों ने 1912 से कलकत्ता से राजधानी दिल्ली स्थानांतरित कर दी थी। लेकिन हरियाणा व हिमाचल को 1966 से ही अलग राज्यों का दर्जा प्राप्त हो सका। अर्थात नए हरियाणा का उदय वर्ष 1966 में एक नवंबर को हुआ।

विशेष : लेखक ने शोध शैली की विभिन्न पुस्तकें लिखी हैं।

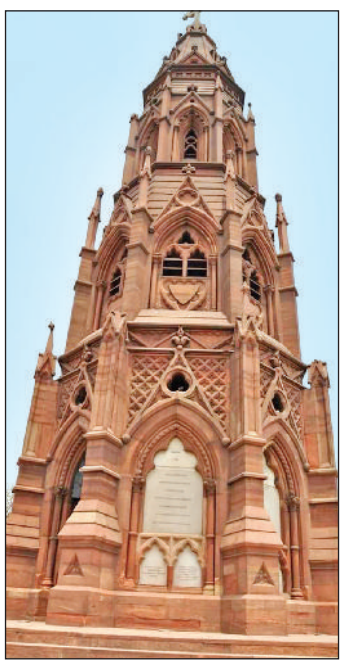

अंग्रेजों द्वारा दिल्ली में बनाया गया 1857 का स्मारक।

संस्कृति संवर्धन में कला की अहम भूमिका : प्रदीप जेलपुरिया

कलाकार **ओ.पी पाल**

हरियाणा की समृद्ध संस्कृति को संजोए रखने के लिए लोक कलाकार अलग-अलग विधाओं में अलख जगा रहे हैं। सूबे के लोक कलाकारों और गीतकारों ने देश में ही नहीं, वरन् विदेशों में भी अपनी छाप छोड़ी है। ऐसे ही विख्यात कलाकार प्रदीप जेलपुरिया ने मिमिक्री और मंच संचालन के साथ अपने गीतों की बेहतरीन प्रस्तुतियों से लोकप्रियता हासिल की है, वहीं वह जेल विभाग में सेवा देते हुए कैदियों को भी संस्कृति और संस्कारों की सीख दे रहे हैं। मिमिक्री के साथ रागनी गायन, एंकरिंग, कविता लेखन के माध्यम से सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और खेल जैसे समारोह में एंकरिंग की भूमिका में बुलंदियां छू रहे कलाकार प्रदीप जेलपुरिया ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान अपनी कला के सफर में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें अपनी संस्कृति का संवर्धन करना उनकी कला की प्राथमिकता है।

हरियाणा के विख्यात मिमिक्री कलाकार प्रदीप जेलपुरिया का जन्म जिला झज्जर के शहर बहादुरगढ़ में 29 दिसंबर 1983 को दलीप सिंह और कृष्णा देवी के घर में हुआ। उनके पिता एक सरकारी स्कूल में अध्यापक और माता गृहिणी के रूप में परिवार की जिम्मेदारी संभालते रहे हैं। परिवार में भले ही साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल न हो, लेकिन उनकी माता पड़ोसियों की जिस अंदाज में मिमिक्री करती थी, उसका प्रभाव बचपन में ही प्रदीप पर पड़ने लगा। इसी कारण उन्हें

बचपन में ही अभिनय जैसी कला में अभिरुचि हो गई थी और वह एक्टरों की मिमिक्री करने लगे। प्रदीप की प्राथमिक शिक्षा सरकारी स्कूल एवं माध्यमिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय रेवाडी से हुई। जबकि बीए दिल्ली विश्वविद्यालय के अंबेडकर कालेज और एमए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से उत्तीर्ण की। बकौल प्रदीप जेलपुरिया, वह स्कूली शिक्षा के दौरान नाटकों में मंचन और मिमिक्री करने लगे। जब वह सातवीं कक्षा में थे तो उन्होंने पहली बार अपने प्रिंसिपल की मिमिक्री की, इस पर प्रिंसिपल ने उसे डांटने या पीटने के बजाय इस कला के लिए प्रोत्साहित किया। वह स्कूल के कार्यक्रमों में नाटकों में अभिनय मंचन और मिमिक्री करने लगे। उन्होंने बताया कि एमडीयू में एमए के दौरान पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित आल इंडिया पुलिस गेम (घुड़सवारी) में उन्होंने बतौर एंकर की भूमिका निभाई। उनकी उपलब्धियों को देखकर ग्रैपलिंग गेम में कल्चरल अफेयर्स का निदेशक बनाया गया, जिसके तहत उन्होंने ग्रैपलिंग गेमों में कई वर्ष एंकरिंग की। इसके अलावा झज्जर बहादुरगढ़, रोहतक, रेवाडी, फरीदाबाद एवं नूहं के गीता महोत्सव में भी एंकरिंग की। एंकरिंग के साथ हरियाणवी संस्कृति को संजोए रखने के लिए मुहिम छेड़ी और हरियाणा रागनी का मंचन भी किया और हरियाणवी गाने '70 का हरियाणा' में भी भूमिका निभाई। गत वर्ष 2024 में विशाखापटनम, राजीव गांधी स्टेडियम दिल्ली, छत्रसाल स्टेडियम दिल्ली एवं तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एंकरिंग एवं हरियाणवी गानों से सबका मन मोहा है। इनका कहना है कि हरियाणवी बोली और संस्कृति का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करना उनकी प्राथमिकता है। जीवन में उतार चढ़ाव आते हैं, लेकिन उन्होंने उस हालातों में भी हौसला नहीं खोया, जब कुछ साल पहले पैरालिसिस के कारण उनका चेहरा खराब होने लगा था। उनकी विभिन्न कलाओं का फोकस हरियाणवी संस्कृति और संस्कारों पर रहता है।

पुरस्कार और सम्मान

अभिनय, गीतों और लेखन के साथ मिमिक्री की कला में विख्यात होते कलाकार प्रदीप जेलपुरिया को कालेज शिक्षा के दौरान दिल्ली यूनिवर्सिटी आंबेडकर कॉलेज से सर्वश्रेष्ठ मिमिक्री अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें हरियाणा गौरव पुरस्कार, झज्जर गौरव पुरस्कार के अलावा गृह विभाग के एसीएस विजय वर्धन और जेल महानिदेशक भी पुरस्कार से नवाज चुके हैं। इसके अलावा उन्हें विभिन्न मंचों से अनेक पुरस्कार व सम्मान मिले हैं।

कैदियों को दे रहे हैं संस्कृति की सीख

कलाकार प्रदीप जेलपुरिया का साल 2003 में जेल विभाग में सिपाही के पद पर चयन हुआ। नौकरी के बावजूद उनकी कलाकारी का जज्बा जीवित रहा। जेल के माहौल में रहकर उन्होंने कविता लिखना शुरू किया और जेल में कैदियों को संस्कृति और संस्कार देने का काम शुरू कर दिया। विभाग ने भी उनकी कला को देखते हुए उनकी ड्यूटी बतौर म्यूजिक इंचार्ज जेल रोहतक में कर दी। फिलहाल उनकी ड्यूटी मेवात जेल में हैं। वह समाज को नई दिशा देने के मकसद से संस्कृति के लिए हरियाणवी में कार्यक्रम भी करते आ रहे हैं।

खबर संक्षेप

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान पार्लियामेंट हाऊस परिसर में मौजूद चेयरपर्सन सुमन यादव। फोटो :हरिभूमि

संस्कारम की चेयरपर्सन ने कार्यक्रम में लिया भाग

झज्जर। संस्कारम ग्रुप ऑफ स्कूल्स की चेयरपर्सन सुमन यादव को नई दिल्ली के संसद भवन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया। इस ऐतिहासिक मौके पर नई संसद भवन में महिला संविधान निर्माताओं पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। यह प्रदर्शनी संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान और राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित की गई। कार्यक्रम के लिए जहां सभी महिला सांसदों के साथ-साथ महिला मंत्रियों को आमंत्रित किया गया वहीं संस्कारम ग्रुप ऑफ स्कूल्स की चेयरपर्सन सुमन यादव को भी इस भव्य आयोजन के लिए निमंत्रण मिला।

जिला व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने कहा कि जिले में सोमवार को समाधान शिविर का आयोजित होंगे। जिसमें नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित होगा, जबकि उपमंडल स्तर पर बहादुरगढ़, बादली और बेरी में भी सुबह दस से बारह बजे तक दो घंटे समाधान शिविर लगाए जाएंगे।

तलाव गांव में श्रीश्याम बाबा का जागरण आज

झज्जर। श्रीश्याम सेवा समिति द्वारा तलाव गांव में सोमवार से दो दिवसीय श्याम उत्सव मनाया जाएगा। समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से किए जा रहे इस सामूहिक आयोजन में पहले दिन सोमवार की रात नौ बजे जहां श्रीश्याम जागरण का आयोजन किया जाएगा वहीं दूसरे दिन मंगलवार को भंडारे का आयोजन होगा। भंडारे से पहले प्रातः करीब आठ बजे हवन भी किया जाएगा।

जीएसटी एमनेस्टी योजना कारोबारियों के लिए लाभकारी

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि लंबे समय से जीएसटी मामलों में उलझे कारोबारियों को राहत देने के उद्देश्य से सरकार ने जीएसटी एमनेस्टी 2025 योजना शुरू की है। जिसके तहत व्यापारियों को केवल बकाया टैक्स जमा करना होगा, जबकि ब्याज और जुर्माने से पूरी तरह छूट दी जाएगी। यह योजना न केवल व्यापारियों को आर्थिक दबाव से बाहर निकालेगी, बल्कि उन्हें अपने व्यवसाय को सुचारू रूप से चलाने का एक नया अवसर भी देगी। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ उठाने के लिए 31 मार्च तक आवेदन किया जा सकता है।

आज पेयजल सप्लाई सुचारू नहीं हुई तो रोड जाम करने की दी चेतावनी

बेरी गेट में पांच दिनों से पेयजल सप्लाई बाधित, कॉलोनीवासियों ने जताया रोष

पुरानी लाइन का कनेक्शन काट कर नई बिछाई गई लाइन में जोड़ दिया गया

- नई लाइन का कनेक्शन अभी आगे तक नहीं हुआ है इसलिए परेशानी आ रही

झज्जर। पेयजल आपूर्ति न होने से परेशान महिलाएं रोष जताते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के बेरी गेट क्षेत्र में पिछले करीब पांच दिनों से पेयजल सप्लाई बाधित है। पानी न आने से कालोनीवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रविवार की शाम बेरी गेट की महिलाओं ने सड़क पर एकत्रित होकर रोष जताया। इस संबंध में वार्ड पार्षद प्रतिनिधि महाबीर गुर्जर ने बताया कि वार्ड में पिछले पांच दिनों से पानी की समस्या है। वे इस बाबत संबंधित अधिकारियों को मौखिक तौर पर अवगत करा चुके हैं। जब इस संबंधित विभाग के जेई से फोन किया गया तो उन्होंने बताया कि ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा गलती से पुरानी लाइन का कनेक्शन काट कर नई बिछाई गई लाइन में जोड़ दिया गया है। जबकि नई लाइन का कनेक्शन अभी आगे तक नहीं हुआ है इसलिए परेशानी आ रही है। सोमवार को कर्मचारियों द्वारा लाइन को सुचारू कर दिया जाएगा जिसके बाद पेयजल सप्लाई बहाल हो जाएगी। पार्षद प्रतिनिधि महाबीर गुर्जर ने कहा कि आक्रोषित महिलाओं व लोगों द्वारा सड़क पर खड़े होकर रोष जताया गया है।

वे रोड पर जाम लगाने की बात भी कर रहे थे जो आश्वासन दिए जाने उपरांत शांत हो गए। अब यदि सोमवार को पेयजल सप्लाई सुचारू नहीं की जाती है तो कालोनीवासी जाम लगाने पर मजबूर होंगे जिसकी जिम्मेवारी जिला प्रशासन की होगी।

केएसएम विद्यालय में वार्षिक समारोह का आयोजन

पूर्व शिक्षा मंत्री ने किया होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को केएसएम विद्यालय में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। पूर्व शिक्षा मंत्री एवं स्थानीय विधायक गीता भुक्कल ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए शिक्षाविद रमेश रोहिल्ला, सेवानिवृत्त प्राचार्य होशियार सिंह, राजबीर दहिया, मुकेश चावला, महिला थाना प्रभारी किरण बाला, अशोक, संदीप कौशिक, नरजीत सांगवान, डॉक्टर एसके दत्ता के साथ दीप प्रज्ज्वलित करते हुए समारोह की शुरूआत की। शिक्षा समिति की सरपरस्त डॉक्टर बाला धनखड़, कोमल सांगवान, कुलमीत, कुलप्रीत धनखड़ ने अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने रतन टाटा की स्मृति में विशेष श्रद्धांजलि संगीत व नृत्य के माध्यम से मैं परिंदा क्यूं बनूं, मुझे आसमान बनना है, मैं एक पन्ना क्यूं रहूं, मुझे दास्तान बनना है का संदेश दिया। पूर्व शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल ने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रति स्पर्धा के दौरान प्राप्त उपलब्धि को हंसकर स्वीकार करने के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने विद्यालय की विद्यार्थियों द्वारा सेव वाटर, हिंदी व अंग्रेजी संगीत में विभिन्नताओं में एकता संदेश, पंजाबी गिद्दा, हरियाणवीं नृत्य, कालबेलिया डांस की प्रस्तुति को सराहा। महिला थाना प्रभारी किरण बाला ने नशाखोरी के खिलाफ स्वयंरचित कविता के माध्यम से विद्यार्थियों को जागरुक किया। इस मौके पर इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज, रविंद्र भारती कॉलेज व कुलदीप सिंह मैमोरियल स्कूल से शैक्षणिक, खेल व अन्य गतिविधियों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

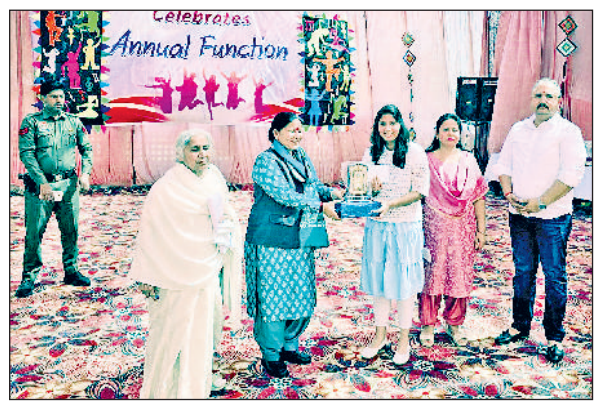

झज्जर। होनहार विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए पूर्व शिक्षामंत्री गीता भुक्कल।

फाग महोत्सव की तैयारियां जोरों पर, तीन दिवसीय विराट संत सम्मेलन 14 से

- मंदिर परिसर की साज सज्जा और रंग रोगन का कार्य चल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नगर खेड़ा बाबा प्रसाद गिरी मंदिर में आगामी 14 मार्च से 52वें तीन दिवसीय विराट संत सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है। मंदिर परिसर की साज सज्जा और रंग रोगन का कार्य चल रहा है। वहीं प्रभात फेरी निकाल कर भी कार्यक्रम को प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। श्रद्धालुओं और मंदिर प्रबंधन कमेटी के सदस्यों में फाग महोत्सव को लेकर उत्साह है और सभी जी-जान से तैयारियों में जुटे हुए है। बता दें कि बाबा प्रसाद गिरी महाराज मंदिर में दुल्हेंडी के दिन मेले का आयोजन होता है। जिसमें दिल्ली, कोलकाता, राजस्थान, यूपी, दिल्ली, पुणे सहित पूरे भारतवर्ष से श्रद्धालु बाबा की समाधि के दर्शन के लिए पहुंचते है। बाबा की समाधि पर पंखें चढ़ाने की अनोखी परपंरा है। जो श्रद्धालु सच्चे मन से बाबा की समाधि पर मन्नत मांगता है, बाबा उनकी मनोकामना जरूर पूरी करते है। महंत परमानंद गिरी महाराज ने बताया कि इस वार्षिकोत्सव के पहले दिन चौदह मार्च को जहां बाबा की समाधि पर श्रद्धालुओं द्वारा पंखे चढ़ाए जाएंगे अगले दिन पन्द्रह मार्च को कांशी के आचार्य वेदपाठी पंडित रामनिवास पाठक व पंडित नरेंद्र कुमार द्वारा हवन कार्य संपन्न कराया जाएगा। तीसरे दिन सत्रह मार्च को विशाल समष्टि भंडारे के साथ वार्षिकोत्सव का समापन होगा। वार्षिकोत्सव के दौरान पन्द्रह मार्च को जहां रात आठ बजे से ग्यारह बजे तक सत्संग का आयोजन किया जाएगा वहीं सोलह मार्च की दोपहर दो बजे से सायं पांच बजे तक रात्रि आठ बजे से ग्यारह बजे तक कार्यक्रम में शामिल होने वाले संत-महात्माओं द्वारा प्रवचनों द्वारा ज्ञान दिया जाएगा।

झज्जर। बाबा प्रसाद गिरी महाराज मंदिर की साफ सफाई में जुटे मृत्युजंय गिरी महाराज। फोटो :हरिभूमि

दिव्यांगजन सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए बनवाएं यूडीआईडी

झज्जर। जिला समाज कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव ने कहा कि जिले में दिव्यांगजनों के कल्याण की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में दिव्यांगजन को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और उनकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए यूनिक डिसेबिलिटी आईडी कार्ड (यूडीआईडी) बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसके अलावा जिन दिव्यांगजनों की यूडीआईडी बनी हुई है उन्हें भी अपनी यूडीआईडी की परिवार पहचान पत्र से मैपिंग करवाना जरूरी है।

किसी भी सीएससी सेंटर से यह प्रक्रिया करवाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि जिले में 6904 दिव्यांगजन ऐसे हैं, जिन्होंने यूडीआईडी कार्ड नहीं बनवाया है।

बेहतर परिणामों के लिए की महिला स्टाफ की सराहना

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित महिला स्टॉफ सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पेस संस्थान में महिला दिवस आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिला निवासी स्वामी रामकृष्ण ने शिक्षकों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रुप के डायरेक्टर जय विकास ने बताया कि उनके संस्थान ने पिछले दो साल में हर फील्ड में बेहतर नतीजे दिए हैं, जिनमें महिला स्टाफ का योगदान सराहनीय है। इस मौके पर पेस ग्रुप के चेयरमैन युद्धवीर, प्रबंध निदेशक संदीप, हरीश, अकादमिक निदेशक जय भगवान के अलावा सोनिया, आरती, मीनू, रितिका, पूनम बेनीवाल, सुमन नैन, ऋतु, प्रीति, वर्षा, आरती शर्मा, पूजा, सनाया, सुप्रिया, हिमांशी, किरण, गीता, सुदेश, ममता वत्स, ममता यादव, नीलम, योगेश, अंशू, ज्योति यादव, पूनम राठौड़, प्रीति, साक्षी, मोनिका वत्स, दीपिका, सोनिया मल्हान, कीर्ति, नीतू गोयल, ज्योति, कंचन, मुस्कान, प्रियंका, प्रिया, आरती, लाजवंती, शर्मिला, मोनिका, मोना, मुनेश, शिल्पा, रीना, मानसी सहित अन्य भी मौजूद रहे

पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत जिले में सर्वे शुरू

झज्जर। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत जिले में जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान का लाभ दिलाने के लिए सर्वे का कार्य प्रारंभ हो गया है। डीसी ने बताया कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्र के उन परिवारों के लिए बेहद अहम है, जिनके पास स्वयं का घर नहीं है या वे जर्जर एवं कच्चे मकानों में रहने को मजबूर हैं। ग्राम सचिवों को सर्वेयर नियुक्त किया गया है, गांव-गांव जाकर पात्र परिवारों की पहचान कर उनका आवेदन कर रहे हैं। ग्रामीण स्वयं भी आवास प्लस मोबाइल एप के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। जिप सीईओ मनीष फौगाट ने बताया कि सर्वे कार्य 31 मार्च तक पूरा किया जाएगा।

प्रदीप दहिया, डीसी

कबलाना गांव में बाबा रामानंद की स्मृति में हुआ विशाल कुश्ती दंगल एवं भंडारा

झज्जर। कुश्ती दंगल में दांव-पेज लगाते हुए पहलवान।

झज्जर। मेले में झूलों का आनंद लेते हुए बालक। फोटो :हरिभूमि

- कुश्ती दंगल में बराबरी पर छूटी पहली इनामी कुश्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव कबलाना में बाबा रामानंद की स्मृति में 85वें विशाल कुश्ती दंगल एवं भंडारे का आयोजन किया। सुबह हवन कार्यक्रम के बाद पूजा-अर्चना के साथ भंडारे की शुरूआत की गई। इसी के साथ गांव के खेल मैदान में कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया जिसमें पहली कुश्ती भोला कासनी व कलुआ गुर्जर के बीच हुई। 20 मिनट तक चली यह कुश्ती बराबरी पर छूटी। ग्राम सरपंच प्रतिनिधि हंसबीर कोडान ने बताया कि बराबर कुश्ती छुटने पर दोनों पहलवानों को पचास-पचास हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। दूसरी कुश्ती रोहित समचाना ने जीती जिसके 51 हजार रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया। दंगल में 31 हजार, 21 हजार, 11-11 हजार रुपये की अनेक कुश्ती कराई गई। दोपहर करीब एक बजे से शुरू हुआ यह दंगल देर शाम करीब आठ बजे तक चला। सरपंच प्रतिनिधि हंसबीर ने बताया दंगल में मुख्य अतिथि के रूप में गजे सिंह कबलाना, संजय कबलाना, मुंडका के विधायक गजेंद्र, पूर्व मंत्री योगानंद शास्त्री, पूर्व राज्यसभा सांसद सुशील गुप्ता, भारत सिंह , लाखू पहलवान, बिल्लू ठेकेदार, संदीप पहलवान, वरिष्ठ भाजपा नेता मनीष बंसल, चांद, देवेंद्र, एमआर स्कूल के निदेशक सोमबीर ने जहां समिति को दान देकर सहयोग किया एसीपी अनिल कुमार ने युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया।

बच्चों ने लिया मेले में लगे झूलों का आनंद

मंदिर परिसर में चले भंडारे में जहां हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं मंदिर परिसर से बाहर मेले का आयोजन किया गया। मेले में कबलाना गांव के अलावा निकटवर्ती गांवों से भी श्रद्धालु अपने बच्चों के साथ पहुंचे। मेले में जहां महिलाएं सौंदर्य प्रसाधन के सामान की खरीददारी करती नजर आई वहीं बच्चे झूलों का आनंद उठाते हुए दिखाई दिए।

शिविर में 155 युवाओं ने किया रक्तदान

- शिविर में सहयोग करने वाली विभिन्न संस्थाओं का भी आभार जताया

झज्जर। आर्मी पब्लिक स्कूल अकेहड़ी मदनपुर में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। राही एसोसिएशन द्वारा भारतीय सेना के लिए आयोजित इस रक्तदान शिविर में कुल 155 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। एसोसिएशन के सचिव अमित कुमार ने बताया कि भारतीय सेना के जवानों के लिए आयोजित यह जिले में पहला रक्तदान शिविर है। शिविर में महिला तीन महिलाओं द्वारा रक्तदान किया गया। भारतीय सेना से मेडिकल कोर की एफटीसी नई दिल्ली टीम के इंचार्ज सूबेदार सूधांशु कुमार, टीम सदस्य हवलदार नीरज, बेहरा सुसंतो, अखिल कुमार, सुमित कुमार, लालू प्रसाद रॉय, सतीश, रंजीत सिंह, राहुल कुमार, गणेश बी शक्तिवल सहित अन्य भी मौजूद रहे। एसोसिएशन प्रधान रिंकू ने रक्तदाताओं व अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए उन्होंने शिविर में सहयोग करने वाली विभिन्न संस्थाओं का भी आभार जताया। इस मौके पर कर्नल यशवीर सिंह, कृष्ण, ओमप्रकाश, हीरा लाल, रामावतार, युद्धवीर, हुक्म सिंह, डॉक्टर रामकिशोर, सुरेश, राजेश, दिनेश कुमार, कृष्ण कुमार, दयाकिशन, संजीव सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। शिविर में महिला रक्तदाता का हौसला बढ़ाते हुए अतिथि एवं आयोजक। फोटो :हरिभूमि

स्वयंसेवकों ने किया ध्यान और योगाभ्यास

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय की एनएसएस इकाई एक और दो के सात दिवसीय शिविर के पांचवें दिन भी जौंधी गांव में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों ने योगाचार्य जगदीश सहवाग के निर्देशन में योगासनों का अभ्यास किया। जिनमें शीर्षासन, सूर्य नमस्कार, वज्रासन प्रमुख रहे। प्रेरक वक्ता नवीन गोदारा ने बताया कि भारत आज भी सोने की चिड़िया है और सभी युवा इस चिड़िया के पंख हैं। सबमें कृतज्ञता की भावना होनी चाहिए तभी ब्रह्मांड हमें असंख्य अवसर प्रदान करेगा और जीवन में तरक्की मिलेगी। मन को शांत रखने के लिए योगाभ्यास करना और ध्यान करना चाहिए, जिससे विचारों की गुणवत्ता बढ़ेगी। शिविर में हार्टफुलनेस केंद्र के प्रतिनिधि और रिटायर्ड खंड शिक्षा अधिकारी फूल सिंह ढाका और विनोद ढाका ने ध्यान की सहज मार्ग से विधि के बारे में बताया।

तपोभूमि जटेला धाम में फाल्गुन महोत्सव 14 को

झज्जर। परम श्रदेय स्वामी नितानंद महाराज की तपोभूमि जटेला धाम आश्रम माजरा में महंत श्री राजेंद्र दास महाराज के परम सानिध्य में 14 मार्च को फाल्गुन महोत्सव (धुलहैंडी मेला) आयोजित किया जा रहा है जिसमें हजारों श्रृद्धालु उमड़ेंगे। आश्रम के प्रवक्ता ऋषि शर्मा ने यह जानकारी दी है। 13 मार्च को प्रातः दस बजे परम श्रदेय स्वामी नितानंद महाराज की अमृतवाणी के 27 अखण्ड पाठ का शुभारंभ परम पूज्य महंत श्री राजेंद्र दास महाराज जी के कर कमलों से होगा। 14 मार्च को प्रातः 9:00 बजे से फाल्गुन महोत्सव में सत्संग एवं भंडारे का आयोजन किया गया है। आश्रम की ओर से सभी भक्तगणों को इस दो दिवसीय कार्यक्रम में सादर आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम की प्रबंधकर्ता महराज नितानंद सेवा समिति माजरा की ओर से कार्यक्रम की सभी तैयारियां एवं व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं।

श्रीराम धर्मशाला से द्वितीय श्रीखाटू श्याम भव्य निशान यात्रा धूमधाम से निकाली

हारा हूं बाबा बस तुझ पे भरोसा है..भजन पर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

- भजन गायकों ने खाटू श्याम के भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को श्री श्याम दुलारे मित्र मंडल एवं मुलतान सेवा सभा द्वारा श्रीराम धर्मशाला से द्वितीय श्रीखाटू श्याम भव्य निशान यात्रा धूमधाम से निकाली गई। ऐतिहासिक निशान यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्याम ध्वजा लेकर शामिल हुए। भजन गायकों ने खाटू श्याम के भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। यात्रा के अखंड ज्योति मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने बाबा खाटू श्याम के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

निशान यात्रा के आयोजक जगदीश कटारिया ने बताया कि निशान की पूजा करके जनकल्याण की कामना के साथ श्रीराम धर्मशाला से शोभायात्रा निकली गई। निशान यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। उन्होंने कहा कि बाबा श्याम का नाम पूरे विश्व में गूंज रहा है। उन्हें हारे का सहारा कहा जाता है। श्याम बाबा सभी की मनोकामना पूर्ण करते है। सनातन धर्म में ध्वजा को विजय और श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। गुब्बारों और फूलों से सजी रथ पर विराजमान खाटू श्याम की प्रतिमा आकर्षक का केंद्र रही। श्रद्धालुओं ने रथ पर विराजमान बाबा के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। यात्रा के शुभारंभ से पूर्व श्रीराम मंदिर के पुजारी पवन शर्मा ने हवन व पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान भक्त डीजे की धुन पर हारा हूं बाबा बस तुझ पे भरोसा है.. आदि भक्ति गीतों के साथ श्रद्धालुओं ने बाबा का जयकारा लगाया।

- भजन गायकों ने खाटू श्याम के भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया
- निशान यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्याम ध्वजा लेकर शामिल हुए

झज्जर। शहर में निकाली गई शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

खबर संक्षेप

गरीब दास के पाठ का आयोजन किया

बहादुरगढ़। शहर के दयानंद नगर में बाबा गरीबदास (छुड़ानी धाम) के पाठ का आयोजन किया गया। पाठ पूर्ण होने पर भंडारा लगाया गया। इसमें काफी लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भगवानदास शर्मा की स्मृति में जय सिंह शर्मा व सेवानिवृत्त प्रिंसिपल धर्मवीर शर्मा की ओर से बाबा गरीबदास की वाणी का भोग लगाकर यह भंडारा शुरू किया गया। भंडारे में ज्ञान प्रकाश, सतप्रकाश, हरिप्रकाश, महेश शर्मा, विमला, सावित्री, राजबाला ने भी सेवा की।

परोपकारी सभा का वार्षिकोत्सव मनाया

बहादुरगढ़। परोपकारी सभा (पंजीकृत) श्री सनातन धर्म महावीर मंदिर के 64वें वार्षिक सम्मेलन के मौके पर सत्संग आयोजित किया गया। इसमें भाग लेते हुए विधायक राजेश जून ने कहा कि जीवन में मनुष्य को धर्म का श्रवण जरूर करना चाहिए। बता दें कि परोपकारी सभा श्री सनातन धर्म महावीर मंदिर द्वारा 7 से 9 मार्च तक 64वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें पहुंचे विधायक राजेश जून का सभा के प्रधान जगदीश एलावाधी सहित अन्य पदाधिकारियों ने स्वागत किया तथा श्रीराम दरबार भेंटकर सम्मान किया। विधायक राजेश जून ने महंत श्री खुशहाल दास जी महाराज से आशीर्वाद भी लिया। साथ ही आयोजकों को 11 हजार रुपए की धनराशि भेंट की।

गर्ल्स कॉलेज में महिला दिवस और होली मनाई

बहादुरगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ में महिला दिवस के साथ ही होली महोत्सव का आयोजन किया गया। लगभग 20 छात्राओं ने शानदार प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या अलका गुलाटी ने की। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. मोना व डॉ. सुनीता छिल्लर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छात्रा दीक्षा, खुशी, डिंपल, चेतना, संजू व मीनाक्षी ने कविता के माध्यम से महिला दिवस का महत्व समझाया। अनुपम, संध्या और गीता ने सुंदर नृत्य किया।

महिला दिवस पर वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में कार्यक्रम

कॉलेज में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा शक्ति और सामर्थ्य प्रस्तुत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ राजवंती शर्मा ने की। इसमें छात्राओं ने काव्य पाठ, भाषण, सोलो डांस व अन्य सांस्कृतिक विधाओं से महिला शक्ति व सामर्थ्य को प्रस्तुत किया।

डॉ. राजवंती शर्मा ने कहा कि आज समाज के हर क्षेत्र में महिलाएं कर्मठ बनकर अपनी सफलता की परचम लहरा रही हैं। उन्होंने महिलाओं के आत्मनिर्णय के सिद्धांत का स्वागत करते हुए कहा कि सुरक्षित महिलाएं और भेदभाव रहित समाज ही राष्ट्र की तरक्की के लिए जरूरी है। मंच संचालन करते हुए महिला प्रकोष्ठ प्रभारी अंजू चौधरी ने कहा कि देश को ऊर्जावान व सशक्त बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका है। डॉ ज्योति ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें अपने जीवन में फैसले लेने की ताकत देना ही सशक्तिकरण है। इसके अलावा प्राचार्या डॉ राजवंती शर्मा ने छात्राओं को तिलक लगाकर व फूलों की वर्षा करके इको फ्रेंडली होली खेलने का संदेश दिया। समस्त टीचिंग स्टाफ व छात्राओं ने मिलकर रंगोत्सव मनाया।

बहादुरगढ़। प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा को पौधा देती स्टॉफ सदस्य।

परनाला में महिलाओं को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। गांव परनाला में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। परनाला-हसनपुर की सरपंच मुकेश अशोक राठी ने सफाईकर्मियों, समाजसेवियों व बुजुर्ग महिलाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर संतोष, नारायणी, मंजू व केला आदि मौजूद रही। सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी ने कहा कि एक सशक्त समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए आज हर क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका अग्रणी है। महिलाओं की सफलता एक राष्ट्र व समाज की उन्नति का संदेश देती हैं। अपनी दोहरी भूमिका में आज हर महिला घरेलू कामकाज के स्तर से लेकर समाज के तमाम क्षेत्रों में अपना परचम लहरा रही हैं।

बहादुरगढ़। गांव हसनपुर के स्कूल में सरपंच के साथ मौजूद महिलाएं।

काव्य महोत्सव में महिलाओं ने सुनाई रचनाएं

बहादुरगढ़। डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी को स्मृति चिह्न देती डॉ. आशा शर्मा।

बहादुरगढ़। हरियाणा साहित्य अकादमी, कलमवीर विचार मंच एवं वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में महिला काव्य महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में अकादमी के निदेशक डॉ धर्मदेव विद्यार्थी उपस्थित रहे। काव्योत्सव की अध्यक्षता कॉलेज प्रधान सत्यनारायण अग्रवाल ने की। मंच संचालन गीतकार कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने किया। डॉ धर्मदेव विद्यार्थी ने कहा कि पाकिस्तान जैसे देश में हरियाणवी बोलने वालों की संख्या कम होने के बावजूद इसे वहां भाषा के रूप में मान्यता मिली हुई है, किन्तु हमारी मातृभाषा होने के बावजूद अब तक इसे भाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हुआ। उन्होंने कुछ प्रेरक कविताएं भी सुनाईं। कार्यक्रम में पुष्पलता आर्य, शुभ्रा पालीवाल, मंजु शाक्या, सुनीता सिंह, रिम्पी लीखा, अनीता भारद्वाज व डॉ मंजु दलाल सहित सोनिका सवेरा, दीपिका वत्स, सुदेश संदूजा आदि के काव्य पाठ ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। आयोजकों द्वारा प्रतिभागी कवयित्रियों सहित मंचासीन अतिथियों, कॉलेज प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा, कलमवीर विचार मंच से जुड़े कुमार राघव, विरेंद्र कौशिक व दीपांजलि अग्रवाल को भी सम्मानित किया गया।

रॉयल ग्रीन काउंटी में मनाया रंगोत्सव

बहादुरगढ़। रॉयल ग्रीन काउंटी के रंगोत्सव में होली मनाते लोग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को सेक्टर-40 स्थित रॉयल ग्रीन काउंटी में रंगोत्सव की धूम रही। रॉयल ग्रीन रियलटी की तरफ से काउंटी में आयोजित रंगोत्सव में लोगों का चंदन के तिलक से स्वागत किया गया। लोगों ने एक दूसरे पर फूल उड़ाकर और गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं भी दी। इस दौरान भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे चैंपियनस ट्रॉफी के फाइनल मैच को बड़े स्क्रीन पर लाइव चलाया गया।

रंगोत्सव में काउंटी के प्लाट और विला धारकों ने फूलों और गुलाल के साथ जमकर मस्ती की। रॉयल ग्रीन रियलटी के एमडी यशांक वासन और डायरेक्टर वरुण मखीजा ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि 44 एकड़ में आधुनिक रिहायशी कॉलोनी विकसित की गई है। रॉयल ग्रीन रियलटी के स्ट्रेटेजिक हेड अनुपम ने रंगोत्सव के दौरान प्रोजेक्ट के बारे में लोगों को बताया। रियल एस्टेट इंफ्लुएंसर इंदु दहिया और एंकर वमिका ने अपने हास्य अंदाज से लोगों को खूब हंसाया। नितिन, आदित्य, सौरभ, बलराम और गरिमा सहित सैकड़ो लोगों ने रंगोत्सव का आनंद लिया। लोगों ने होली के रंग के साथ क्रिकेट मैच के हर मूवमेंट का मजा लिया।

क्रिकेट रोलिंग में इनेट द राइजिंग ने हासिल की जीत

बहादुरगढ़। रविवार को गांव सिद्धीपुर लोवा में आठ टीमों के बीच क्रिकेट रोलिंग ट्रॉफी का मुकाबला हुआ। एडीएस ग्रुप ने दूसरी बार इस अंतर इकाई प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें क्रिकेट के दीवाने, एडीएस स्पिरिट्स, एडीएस डिस्टिलरीज, एडीएस एग्रो और एमजी पेट आदि टीमों ने भाग लिया। सभी टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। फाइनल मैच में द जनरेशन यूनिकोर्न की टीम को इनेट द राइजिंग टीम ने हराया।

प्रधान बने रविन का बराही में अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविन छिल्लर के बहादुरगढ़ बार एसोसिएशन का प्रधान बनने पर उनके पैतृक गांव बराही में रविवार को भव्य स्वागत किया गया। गांववासियों और समर्थकों ने फूल मालाओं से उनका अभिनंदन किया।

गांव की चौपाल में आयोजित विशेष सम्मान समारोह में गांव के बुजुर्गों और अन्य लोगों ने रविन छिल्लर को बहादुरगढ़ बार एसोसिएशन का प्रधान बनने पर बधाई दी। छिल्लर ने कहा कि वे सदैव न्याय व अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए समर्पित रहेंगे। इस उपलब्धि को गांव वालों और अपने शुभचिंतकों की प्रेरणा का परिणाम बताया।

रविन ने कहा कि वे गरीब आदमी को न्याय दिलाने के लिए सदैव कार्य करेंगे और उन्हें न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोडेंगे। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य रवि छिल्लर बराही, खंड समिति सदस्य रजत, राजेंद्र, अजीत सिंह, राजदीप छिल्लर, तरुण राठी व चिराग कौशिक आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। गांव बराही में रविन छिल्लर का अभिनंदन करते ग्रामीण।

एसकेएम के आह्वान पर 11 को करेंगे प्रदर्शन

बहादुरगढ़। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश सचिव जयकरण मांडोठी तथा अध्यक्ष अनूप सिंह मातनहेल ने बताया कि 11 मार्च को संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर झज्जर समेत पूरे प्रदेश में जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे तथा मुख्यमंत्री के नाम अपनी मांगों का ज्ञापन दिया जाएगा। जयकरण मांडोठी के अनुसार हर पखवाड़े के अंतराल पर नहरों में पानी छोड़ने, पिछले दिनोंओलावृष्टि से बर्बाद हुई फसलों का 50 हजार रुपए एकड़ प्रति मुआवजा देने जैसी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं।

कैंप में 126 लोगों ने करवाई जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल में रविवार को मेगा निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 126 लोगों ने जांच करवाई। कैंप का शुभारंभ अस्पताल के निदेशक डा. मनीष शर्मा व हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. अजय दुबे ने दीप प्रज्वलित करके किया। कैंप में बीएमडी (हड्डियों में कैल्शियम) की निःशुल्क जांच के अलावा उचित परामर्श भी दिया गया। रविवार को अस्पताल में लगे कैंप में अधिकतर लोगों के बीएमडी टेस्ट में कैल्शियम की कमी पाई गई। कई मरीजों ने घुटने व पीठ दर्द की शिकायत की। डा. अजय दुबे ने कैलश्यिम की कमी वाले मरीजों को समय पर दवाई लेने व पौष्टिक भोजन करने की सलाह दी। जिन मरीजों के घुटने घीसे हुए थे, उन्हें बदलवाने की सलाह दी। उन्होंने नियमित व्यायाम करने व मोटापे को नियंत्रित करने की सलाह भी दी। उन्होंने घुटनों की बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को उठने व बैठने की सही मुद्रा के बारे में भी बताया। अस्पताल के मैनेजर विक्की शर्मा ने कहा कि ओपीडी में आने वाले अधिकतर लोग घुटनों में दर्द की शिकायत करते थे। इसे देखते हुए अस्पताल की ओर से कैंप का आयोजन किया गया।

बहादुरगढ़। कैंप में एक व्यक्ति की जांच करते डॉ. अजय दुबे।

स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में चल रहे पांच दिवसीय जिलास्तरीय रेडक्रॉस शिविर में हरियाणा राज्य के रेडक्रास सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने महिला दिवस की बधाई देते हुए रेडक्रास के विषय में बताया।

जिला देवेंद्र चहल ने कहा कि रेड क्रॉस सोसाइटी विश्वभर में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद कर रही हैं। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने दोनों का स्वागत किया। योगाचार्य बलदेव ने

योग का महत्व समझाया। दिव्या बंसल ने मोबाइल एडिक्शन के दुष्प्रभावों के विषय में जागरूक किया। सामाजिक मुद्दों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें अंश डागर ने प्रथम, तमन्ना ने दूसरा व अन्नू तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आर्मी भर्ती कार्यालय द्वारा चलाया जा रहा आउटरीच कार्यक्रम

झज्जर। आर्मी भर्ती कार्यालय रोहतक द्वारा शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को भारतीय सेना में भर्ती की प्रक्रिया से अवगत कराने के लिए विशेष आउटरीच कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आर्मी भर्ती कार्यालय रोहतक के अधीन आने वाले जिलों में विद्यार्थियों को अग्निवीर योजना के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। जिससे वे सेना में शामिल होने की प्रक्रिया के प्रति विभिन्न पहलुओं से अवगत हो सकें।

एक्रेडिशन को लेकर उद्यमियों ने की चर्चा

बहादुरगढ़। शहर के फुटवियर पार्क में एनएबीएल एक्रेडिशन एवं इसके उद्योगों के लिए लाभ" विषय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनएबीएल के संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज गोयल, सहायक निदेशक नंदकुमार कुशवाहा और प्रिंस गर्ग आदि उपस्थित रहे। बीसीसीआई अध्यक्ष सुभाष जग्गा और पवन जैन की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। बैठक में सिडबी के मुख्य महाप्रबंधक रवि त्यागी और उप महाप्रबंधक विनय कुमार ने भी उद्यमियों को अनेक जानकारियां उपलब्ध करवाई।

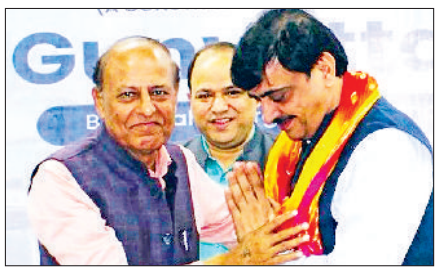

बैठक में रवि त्यागी का स्वागत करते सुभाष जग्गा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

बेंगलुरू में हुई थी 45वीं एथलेटिक्स चैंपियनशिप

नेशनल मास्टर्स में मुकेश ने जीता कांस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बेंगलुरु में मास्टर्स एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 45वीं नेशनल मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावक मुकेश दहिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। इस बेहतरीन उपलब्धि के साथ उन्होंने एशिया और वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। बीआरजी के संयोजक दीपक छिल्लर ने बताया कि 45वीं नेशनल मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 4 से 9 मार्च के दौरान बेंगलुरु के श्री कांतिरावा स्टेडियम में हुई। जिसमें देशभर से अनुभवी और दिग्गज एथलीटों ने भाग लिया।

टीम बीआरजी के मुकेश दहिया, अरविंद कुमार, सुनील कुमार, इखलास, ममता रानी और गुलाब सिंह ने इसमें भाग लेकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुकेश दहिया ने 400 मीटर हर्डल्स में रजत पदक, 800 मीटर दौड़ में कांस्य पदक और 4 गुणा 100 मीटर रिले में कांस्य पदक जीता। वहीं 3000 मीटर स्टीपलचेज में अरविंद कुमार ने कांस्य पदक, सुनील कुमार ने रजत पदक और इखलास ने स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही इखलास ने 5 किलोमीटर दौड़ में कांस्य पदक और 4 गुणा 100 मीटर रिले में रजत पदक जीता। ममता रानी ने जैवलीन थ्रो में छठा स्थान पाया। गुलाब सिंह ने 10 किलोमीटर में 10वां स्थान, 5 किलोमीटर में 8वां और 1500 मीटर में 7वां स्थान प्राप्त किया। बीआरजी के इन धावकों ने मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए एशियन खेल (इंडोनेशिया) और वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई किया।

बहादुरगढ़। जीत के बाद बीआरजी के धावकों को पुरस्कृत करते आयोजक।

पहलवानों का अकादमी में स्वागत

बहादुरगढ़। गांव लोवा माजरा की देवेंद्र जून कुश्ती अकादमी के पहलवानों ने कबलाना दंगल में शानदार प्रदर्शन किया। युग्म डाबोदा ने 5 कुश्ती, शैलेंद्र पहलवान ने 4, लक्ष्य पहलवान ने 4, सोनू ने 3, चमन ने 4 कुश्ती, ध्रुव ने 4, नमन ने 2 व भूमिक ने 2 कुश्ती जीती। रामादीन पहलवान ने दो कुश्तियां जीती। दंगल में जीत हासिल करने के बाद अकादमी में पहुंचने पर पहलवानों को स्वागत किया गया। प्रीतम, सोनू दहिया, मनजीत दलाल, जसबीर जून, राजकुमार अहलावत व दिनेश आदि ने विजेता पहलवानों को आशीर्वाद देते हुए उनके भविष्य की कामना की।

स्कॉलर्स ग्लोबल विद्यालय में हुआ कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम

बहादुरगढ़। कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम में मौजूद शिक्षक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के अंतर्गत स्कॉलर्स ग्लोबल विद्यालय बहादुरगढ़ में /"कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम/" कार्यशाला का आयोजन किया गया। शिक्षकों को नवीनतम शैक्षिक दृष्टिकोणों से सशक्त बनाने व उनकी दक्षता में वृद्धि करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन हुआ।

स्कॉलर्स ग्लोबल शिक्षण संस्थान की प्राचार्या पूनम सक्सेना के निर्देशन में हुई कार्यशाला में सीबीएसई द्वारा निर्देशित सीओई पंचकूला की रिसोर्स पर्सन संजना मित्तल तथा भावना छाबड़ा ने अपने बहुमूल्य विचार सांझा किए। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को शिक्षा शास्त्र, अध्यापन कला, नई शिक्षण विधियों व कक्षा प्रबंधन से संबंधित गहन जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने शिक्षण को प्रभावी एवं नवाचार से परिपूर्ण बनाने पर विशेष बल दिया। जिससे छात्रों को विषयों की गहरी समझ प्राप्त हो सके। पूनम सक्सेना ने कहा कि शिक्षकों के व्यक्तिगत विकास व कौशल संवर्धन में सहायक इस कार्यशाला ने उन्हें अपने शिक्षण कौशल को अधिक परिष्कृत करने का अवसर दिया। उपस्थित शिक्षकों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत लाभकारी बताते हुए इसे अपने शिक्षण में लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।